भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1080
बुधवार ,26 जुलाई 2023 ,को उत्तर दिए जाने के लिए

भूकंप विज्ञान केन्द्रों की स्थापना

1080. श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोर :

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में प्राकृतिक आपदाओं के मामलों में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्सं बंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का वास्तविक समय में आंकड़ो की निगरानी और आंकड़े एकत्र करने की प्रक्रिया में सुधार लाने के लिए पूरे देश में और अधिक भूकंप विज्ञान केन्द्र खोलने का विचार है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संधबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रिजिजू)

(क) देश और उसके आसपास भूकंपों के बारे में जानकारी की वर्तमान स्थिति, भूकंप की घटनाओं की आवृत्ति में किसी निश्चित पैटर्न को नहीं दर्शाती है जिससे भूकंप घटना में किसी भी बढोतरी का पता चल सके। तथापि, हाल के वर्षों के दौरान, देश में भूकंपीय निगरानी में बहुत सुधार हुआ है और यहां तक कि कम तीव्रता वाले भूकंपों का भी स्वचालित रूप से पता लगाया गया है तथा राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की वेबसाइट, मोबाइल ऐप और अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से तेजी से प्रसारित किया गया है। यह शायद देश में बढ़ी हुई भूकंप घटनाओं का आभास दे रहा है, जिस पर पहले ध्यान नहीं दिया गया था।

(ख) और (ग) जी हां। भूकंपीय नेटवर्क का विस्तार राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केन्द्र, जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय है और देश में भूकंप की निगरानी के लिए भारत सरकार की नोडल एजेंसी है, की नियमित गतिविधियों में से एक है। वर्तमान में भारत और उसके आसपास भूकंपीय घटनाओं की निगरानी के लिए राष्ट्रीय भूकंपीय नेटवर्क की कुल 153 वेधशालाएं पूरे देश में कार्यरत हैं।

*****